VALUE 360 COMMUNICATIONS
NEWS WATCH

Pradesh times

Date: 31/09/2009
Edition: Bhopal

Language: Hindi
Page: 07

नेटवर्किंग साइट्स : दोस्ती और समाज से इतर

सामाजिक मीडिया के निरंतर विकास से उद्योग जगत में मानव संसाधन तकनीकों में पारंपरिक प्रणाली के स्थान पर नई तकनीकें आ रही हैं। इस नए ट्रेंड में फोकस ग्रुप को उदाहरण के तौर पर प्रस्तुत किया जा सकता है। इससे पूर्व फोकस ग्रुप्स को कई कंपनियां अपने यहां चर्चा के लिए खास लक्षित समूह को एकत्रित करने की प्रक्रिया के संचालन के लिए बुलाती थीं। लेकिन अब सामाजिक माध्यम के विकास के कारण, अधिक से अधिक कंपनियां ऑनलाइन नेटवर्किंग उपकरणों का प्रयोग कर रही हैं, जिससे वे ऑनलाइन फोकस ग्रुप बना सकें और अपने क्षमतावान कर्मचारियों को व्यस्त रख सकें। यह कॉरपोरेट जगत के साथ-साथ अन्य रचनात्मक क्षेत्रों में तेजी से बढ़ता ट्रेंड है। योगेश बंसल के अनुसार वह समय दूर नहीं जब लोग यह पूछेंगे कि अमूक व्यक्ति ने अपना प्रोफाइल नेटवर्किंग साइट्स जैसे ऑरकुट, अपनासर्किल, फेसबुक आदि पर बनाया है अथवा नहीं। नेटवर्किंग साइट पर अपना रजिस्ट्रेशन करवाना, आम रिश्तों को आकर्षक नेटवर्किंग विकल्पों में बदलने की प्रक्रिया का अहम हिस्सा है। इन नेटवर्किंग साइट्स पर अधिक संख्या में लोगों के होने से ये आज नौकरी पाने वालों के लिए बेहतर काम के अवसर उत्पन्न कर रही है। इसी तरह ऑनलाइन नेटवर्किंग के कई अन्य फायदे भी हैं। योगेश बंसल के अनुसार उदाहरण के लिए, किसी खास कंपनी में काम की तलाश करने वाला व्यक्ति इन नेटवर्किंग साइटों में से एक की तलाश कर सकता है। या फिर वह नौकरी की तलाश के लिए यह सोच कर अपना सर्किल डॉट कॉम जैसी विश्वसनीय वेबसाइट पर अपना प्रोफाइल डाल सकता है कि वह एचआर मैनेजर या रिक्रूटर/कंपनी के साथ सीधे तौर पर संपर्क में आपकी मदद कर सकती है। अगर कोई रचनात्मक क्षेत्र फोटोग्राफी, डांस, मॉडलिंग, लेखन आदि में रोजगार तलाश रहा है तो आइबिबो और यू ट्यूब जैसी साइटें आपके लिए सही मंच मुहैया करा सकती हैं। अगर हम अपना सर्किल डॉट कॉम की बात करते हैं तो कंपनी ने खाली पदों के लिए कार्यक्षमता उम्मीदवारों के लिए समान प्रक्रिया अपनाई है। अगर उम्मीदवार साइट पर अपना प्रोफाइल नहीं बनाते तो यह संभव नहीं होता।